

नमस्कार अप सभी को, मैं, school captain आदित्य शर्मा, यहाँ प्रस्तुत शिक्षक गण, प्राचार्य महोदय और council commetee members का धन्यवाद करना चाहूँगा कि उन्हीने मुझे इस पद के लिए मेरा चुनाव किया। मैं पूर्ण प्रयास करूँगा कि विद्यालय में छात्रों के बीच अनुशासन बनाये रखु और नियमों का पालन करूँ। मैं छात्र गण से यही अनुरोध करूँगा कि विद्यालय में अनुशासन बनाये रखने में हमारा साथ दे। धन्यवाद।

राधाकृष्ण: एक पावन प्रेम कथा

-आदित्य शर्मा

गाथा है न मोह कि,
न इश कि न वास कि
ये तो प्रेम अति पवन है प्रिये
गाथा जो है
राधे-गिरिधर-गोपाल कि

बंसी बाजते मोहन जो
देखते थे राधा राह कि
बंसी कि धुन म नाचे
राधे गिरिधर गोपाल कि

प्रेम शब्द का अर्थ जो था समझाना
पढ़ा इसके श्रृष्टि म आना
प्रेम सदा जो पूजे प्रेय
वो है ये गाथा
राधे-श्याम-गिरिधर-गोपाल कि

श्याम मैं तो हु तेरी राधा
क्या न समझे भी ये संसार भी?
तेरी बनी मैं सुन्दर राधा
बन तू मेरा श्याम भी
इस संसार के लिए ही क्या
बैठे हैं हम रह मैं ही?

तेरी यादों क ख्वाब, क्यों मुझे भये न
गम हमारी जुदाई का, क्या तुझे भी सताए न?
एक राधा कि मुस्कराहट कि तो
भये श्याम के इस दिल को प्यारे
कितनी भी दूरिय रख ले ये चाँद सितारे
नज़र तो साथ मैं ही, आने थे जो दो प्रेमी हमारे

थे वो तो राधा के गिरिधर गोपाल
फिर भी सारी दुनिया कि खुशी,
क्यों उनको भये न
सिर्फ राधा कि एक झलक पर
राधा के गोपाल, आखिर क्यों मुस्कुराये न...

प्रेम समझने का उपाए वो
कैसे जाए बिन बताये न
तभी राधे-राधे जपे बिना, कोई प्रेम समझ पाए न

तो प्रेम से बोलो... राधे-राधे!!